पुस्तकों को आम जनजीवन से जोड़ने की चुनौती आज भी हैः गोविंद

नई दिल्ली, 29 फरवरी(नवोदय टाइम्स): साहित्योत्सव में शनिवार को रवींद्र भवन में भारत में प्रकाशन की स्थिति पर परिचर्चा आयोजित की गई। उद्घाटन वक्तव्य में गोविंद प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने साहित्यिक पुस्तकों की घटती बिक्री पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा कई कारणों से हो रहा है, लेकिन प्रमुख कारण है कि हम विद्यालय स्तर पर बच्चों में साहित्य पढ़ने की रुचि विकसित नहीं कर पा रहे हैं।

साहित्योत्सव में परिचर्चा करते गोविंद प्रसाद शर्मा व अन्य।

पुस्तकों को आम जन जीवन से जोड़ने की चुनौती आज प्रमुख है। इसके लिए लेखकों को भी आगे आकर पाठकों को खोजना होगा। एक अन्य कारण में उन्होंने पुस्तकों के मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। सत्र के आरंभ में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि अकादेमी प्रतिवर्ष 200 नई पुस्तकें प्रकाशित करती है और 300 पुस्तकों का पुनर्मुद्रण करती है, लेकिन हम भी पुस्तकों की बिक्री में लगातार गिरावट देख रहे हैं। हमें इस चुनौती से मिलकर लड़ना होगा।

जीएसटी के चलते प्रकाशन उद्योग प्रभावित हुआ है : अदिति माहेश्वरी

भारत में प्रकाशन की स्थिति में अगली परिचर्चा निर्मल कांति भट्टाचार्जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें पाठ्य पुस्तकों के प्रकाशन में भी यदि साहित्यिक प्रकाशकों से सहयोग लिया जाए तो इस क्षेत्र में आ रही गिरावट को रोका जा सकता है। परिचर्चा में वाणी प्रकाशन से अदिति माहेश्वरी ने कहा कि दूसरे देशों की तरह हमारे देश में भी इस क्षेत्र में सरकारी सहयोग की आवश्यकता है। जीएसटी के चलते प्रकाशन उद्योग प्रभावित हुआ है। कार्तिका वीके ने कथा साहित्य की वर्तमान प्रकाशन स्थिति पर बात करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी की प्राथमिकता में अब किताबें नहीं हैं। हमें नए लेखकों के साथ-साथ नए पाठकों की भी जरूरत है और इसके लिए दोनों के बीच एक संवाद जरूरी है। प्रीति शिनॉय ने कहा कि लेखकों को भी पाठकों की वर्तमान रुचि का ध्यान रखते हुए कार्य करना चाहिए।

साहित्योत्सव का अंतिम दिन रहा बच्चों की सृजनात्मकता के नाम

साहित्योत्सव में बच्चों के लिए शनिवार को विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत कविता-कहानी लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, बाल साहित्यकारों द्वारा बाल कहानियां सुनाने जैसे कई आयोजन किए गए। बच्चों के लिए आयोजित कहानी एवं कविता प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण पर केंद्रित था, जिसे जूनियर और सीनियर वर्गों में बांटा गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा में आयोजित की गई थी। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार बच्चों को दिए गए। बच्चों को दीपा अग्रवाल एवं मधु पंत ने अंग्रेजी एवं हिंदी में रोचक कहानियां भी सुनाईं।

साहित्योत्सव का अंतिम दिन रहा बच्चों की सृजनात्मकता के नाम

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित किए जा रहे साहित्योत्सव का छठा एवं अंतिम दिन बच्चों एवं युवा लेखकों के नाम रहा। बच्चों के लिए आज विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत कविता-कहानी लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, बाल साहित्यकारों द्वारा बाल कहानियां सुनाने जैसे कई आयोजन किए गए। बच्चों के लिए आयोजित कहानी एवं कविता प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण पर

केंद्रित था, जिसे जूनियर और सीनियर वर्गों में बाँटा गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा में आयोजित की गई थी। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार बच्चों को दिए गए। बच्चों को दीपा अग्रवाल एवं मधु पंत ने अंग्रेज़ी एवं हिंदी में रोचक कहानियाँ भी सुनाईं।

साहित्योत्सव का अंतिम दिन रहा युवा लेखकों के नाम

साहित्योत्सव के अंतिम दिन पुस्तकों की पठनीयता पर चर्चा करते लोग।

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित साहित्योत्सव का अंतिम दिन बच्चों और खासकर युवा लेखकों के नाम रहा। इस दौरान बच्चों के लिए कविता, कहानी लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, बाल साहित्यकारों द्वारा बाल कहानियां सुनाने जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बच्चों के लिए आयोजित कहानी, कविता प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण था, जिसे जूनियर और सीनियर वर्गों में बांटा गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंग्रेजी व हिंदी भाषा में आयोजित की गई थी। प्रत्येक वर्ग में बच्चों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिए गए। दीपा अग्रवाल और मधु पंत ने बच्चों को अंग्रेजी व हिंदी में रोचक कहानियां

गोविंद प्रसाद शर्मा ने साहित्यिक पुस्तकों की घटती बिक्री पर चिंता व्यक्त की

सुनाईं। बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। भारत में प्रकाशन की स्थिति पर आयोजित परिचर्चा में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद शर्मा ने साहित्यिक पुस्तकों की घटती बिक्री पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसा कई कारणों से हो रहा है, लेकिन प्रमुख कारण है कि हम विद्यालय स्तर पर बच्चों में पढ़ने की रुचि विकसित नहीं कर पा रहे हैं। पुस्तकों को आम जन जीवन से जोड़ने की चुनौती आज प्रमुख है।

इसके लिए लेखकों को भी आगे आकर पाठकों को खोजना होगा। एक अन्य कारण में उन्होंने पुस्तकों के मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए।

साहित्यिक पुस्तकों की घटती बिक्री पर चिंता

साहित्योत्सव 2020

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित किए जा रहे साहित्योत्सव का छठा एवं अंतिम दिन बच्चों एवं युवा लेखकों के नाम रहा। बच्चों के लिए विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों के अंतर्गत कविता-कहानी लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, बाल साहित्यकारों द्वारा बाल कहानियां सुनाने जैसे कई आयोजन किए गए।

भारत में प्रकाशन की स्थिति पर आयोजित परिचर्चा का उद्घाटन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद शर्मा ने किया। उन्होंने साहित्यिक पुस्तकों की घटती बिक्री पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा कई कारणों से हो रहा है। लेकिन इसका प्रमुख कारण है कि हम विद्यालय स्तर पर बच्चों में साहित्य पढ़ने की रुचि विकसित नहीं कर पा रहे हैं। सत्र के आरंभ में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि साहित्य अकादमी लगभग 200 नई पुस्तकें प्रतिवर्ष प्रकाशित करती है और लगभग 300 पुस्तकों का पुनर्मुद्रण करती है, लेकिन हम भी पुस्तकों की बिक्री में लगातार गिरावट देख रहे हैं। हमें इस चुनौती से मिलकर लड़ना होगा।

बच्चों ने हिस्सा लिया

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंग्रेज़ी एवं हिंदी भाषा में आयोजित की गई थी। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार बच्चों को दिए गए। बच्चों को दीपा अग्रवाल एवं मधु पंत ने अंग्रेज़ी एवं हिंदी में रोचक कहानियां भी सुनाई। बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

روزنامہ راشٹریہ سہارا
نئی دہلی یکم مارچ 2020 اتوار

ساہتیہ اکادمی کے ادبی اجتماعات کا آخری دن نوجوان ادیبوں کے نام

نئی دہلی (پریس ریلیز) ساہتیہ اکادمی کے زیر اہتمام منعقدہ سالانہ جشن ادب 2020 کے چھٹا اور آخری دن بچوں اور نوجوان ادیبوں کے نام رہا۔ بچوں کے لیے آج مختلف ادبی پروگرام کا انعقاد کیا گیا جس میں نظم نگاری کا مقابلہ، افسانہ نگاری کا مقابلہ، تصویر سازی کا مقابلہ اور ادب اطفال کے ادیبوں کے ذریعہ کہانیاں سنانے جیسے کئی تقریب ہوئے۔ بچوں کے لیے کہانی اور نظم نگاری کے مقابلے کا موضوع 'ماحولیات' پر مرکوز تھا جسے جونیئر اور سینئر گروپ میں بانٹا گیا تھا۔ مقابلے میں مختلف اسکولوں سے آئے لگ بھگ 150 طالب علموں نے شرکت کی۔ یہ مقابلے انگریزی اور ہندی زبانوں میں منعقد ہوئے۔ ہر گروپ میں اول، دوم اور سوم تین انعامات بچوں کو دیے گئے۔ بچوں کو دیپا اگروال اور مدھو پنت نے انگریزی اور ہندی میں دلچسپ کہانیاں بھی سنائیں۔ بچوں نے تصویر سازی مقابلے میں بھی بڑھ چڑھ کر حصہ لیا۔ ہندوستان میں اشاعت کی موجودہ صورت حال پر منعقد پینل گفتگو کا افتتاح نیشنل بک ٹرسٹ کے چیئرمین گووند پرساد شرما نے کیا۔ اپنے افتتاحی خطبے میں انھوں نے ادبی کتابوں کی گھٹتی فروخت پر اپنی رنج کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ کئی وجوہات سے ایسا ہو رہا ہے لیکن اہم وجہ یہ ہے کہ ہم اسکولی سطح پر بچوں میں ادب پڑھنے کا شوق پیدا نہیں کر پا رہے ہیں۔ انھوں نے پبلشرز سے درخواست کی کہ وہ کتاب کی اشاعت کو سماجی فلاح کے کام کے طور پر دیکھیں۔ اجلاس کی ابتدا میں ساہتیہ اکادمی کے سکریٹری ڈاکٹر کے شری نواس راؤ نے مہمانوں کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ ساہتیہ اکادمی 200 نئی کتابیں ہر سال شائع کرتی ہے اور لگ بھگ 300 کتابوں کی ری پرنٹ کرتی ہے لیکن ہم بھی کتابوں کی فروخت میں لگاتار ہو رہی گراوٹ کو دیکھ رہے ہیں۔ ہمیں اس چیلنج سے مل کر لڑنا ہے۔